महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
जनसंपर्क कार्यालय
PUBLIC RELATIONS OFFICE

हिंदी विश्वविद्यालय में 'वंदे मातरम् के सामाजिक एवं सांस्कृतिक अवबोध' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं प्रदर्शनी का आयोजन बुधवार से

वर्धा, 23 फरवरी 2026 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा एवं भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला के संयुक्त तत्त्वावधान में 25-26 फरवरी को दो दिवसीय 'वंदे मातरम् के सामाजिक एवं सांस्कृतिक अवबोध' राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं वंदे मातरम् पर केंद्रित प्रदर्शनी का आयोजन फिल्म अध्ययन विभाग क्षेत्रीय केंद्र, प्रयागराज द्वारा किया जा रहा है। प्रदर्शनी का आयोजन अटल बिहारी वाजपेयी भवन में तथा संगोष्ठी का आयोजन कस्तूरबा सभागार में किया जाएगा। प्रदर्शनी का उद्घाटन 25 फरवरी को पूर्वाह्न 10:00 बजे कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा की अध्यक्षता में किया जाएगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के अध्यक्ष प्रो. मिलिंद मराठे का सान्निध्य प्राप्त होगा एवं भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला के निदेशक प्रो. हिमांशु कुमार चतुर्वेदी मुख्य अतिथि होंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में आईसीएएस एवं इतिहासकार अखिलेश झा उपस्थित रहेंगे। संगोष्ठी का उद्घाटन पूर्वाह्न 10:40 बजे कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा की अध्यक्षता में किया जाएगा। इस अवसर पर प्रो. मिलिंद मराठे मुख्य अतिथि होंगे तथा प्रो. हिमांशु कुमार चतुर्वेदी का सान्निध्य प्राप्त होगा।

उद्घाटन सत्र के पश्चात वरिष्ठ संपादक अनंत विजय एवं ऑर्गनाजर के संपादक प्रफुल्ल केतकर का विशेष उद्बोधन होगा। इसके पश्चात साहित्यिक उत्पत्ति और बौद्धिक विकास पर आई.जी.एन.सी.ए. के सदस्य सचिव प्रो. सच्चिदानंद जोशी एवं संपादक राकेश मंजुल अपने विचार रखेंगे। तृतीय सत्र में वंदे मातरम् की संवैधानिक यात्रा पर चर्चा होगी जिसमें महाराज गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर के कुलपति प्रो. मनोज दीक्षित एवं दिल्ली विश्वविद्यालय से प्रो. सीमा सिंह अपने विचार रखेंगी। प्रथम दिवस के अंतिम सत्र में केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के उपाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र दुबे, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलाधिपति प्रो. हरमोहिंदर सिंह बेदी एवं मौलाना अबुल कलाम अज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान, कोलकाता के निदेशक प्रो. सरूप प्रसाद घोष अपने विचार रखेंगे।

दुसरे दिवस का प्रथम सत्र प्रतिरोध का आह्वान और जन आंदोलन का प्रतीक विषय पर होगा जिसमें वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी मनोज श्रीवास्तव संबोधित करेंगे। राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली के अध्यक्ष प्रो. अखिलेश मिश्रा एवं ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र जेएनयू, नई दिल्ली के डॉ.

क्रिस्थु डॉस भी इसी सत्र में अपने विचार रखेंगे। द्वितीय सत्र वंदे मातरम् के 150 वर्षों की सांस्कृतिक यात्रा विषय पर केंद्रित है जिसमें आईसीएएस एवं इतिहासकार अखिलेश झा एवं आईआरएस एवं इतिहासकार रश्मिता झा अपने विचार रखेंगे। समापन सत्र विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा की अध्यक्षता में होगा जिसमें भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला के निदेशक प्रो. हिमांशु कुमार चतुर्वेदी एवं महाराज गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर के कुलपति प्रो. मनोज दीक्षित एवं वरिष्ठ पत्रकार अनंत विजय उपस्थित रहेंगे।

25 फरवरी की संध्या को सांस्कृतिक आयोजन के रूप में बसंत उत्सव मनाया जाएगा जिसमें विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी।

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत
ई-मेल/E-mail: pro.mgahv@hindivishwa.ac.in वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org
दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305

मराठी :

हिंदी विश्वविद्यालयात 'वंदे मातरम्‌चे सामाजिक आणि सांस्कृतिक अवबोध' या विषयावर दोन दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद व प्रदर्शनी बुधवार पासून

वर्धा, २३ फेब्रुवारी २०२६ : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा आणि भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला यांच्या संयुक्त विद्यमाने २५ व २६ फेब्रुवारी रोजी 'वंदे मातरम्‌चे सामाजिक आणि सांस्कृतिक अवबोध' या विषयावर दोन दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद तसेच 'वंदे मातरम्' विषयक प्रदर्शनीचे आयोजन करण्यात आले आहे. या कार्यक्रमाचे आयोजन विश्वविद्यालयाच्या प्रयागराज प्रादेशिक केंद्रातील फिल्म अध्ययन विभागाकडून करण्यात येत आहे. प्रदर्शनीचे आयोजन अटल बिहारी वाजपेयी भवन येथे तर परिसंवादाचे आयोजन कस्तूरबा सभागृहात होणार आहे. २५ फेब्रुवारी रोजी सकाळी १०.०० वाजता कुलगुरू प्रो. कुमुद शर्मा यांच्या अध्यक्षतेखाली प्रदर्शनीचे उद्घाटन होईल. या वेळी राष्ट्रीय पुस्तक न्यासचे अध्यक्ष प्रो. मिलिंद मराठे यांची प्रमुख उपस्थिती लाभणार असून, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान चे संचालक प्रो. हिमांशु कुमार चतुर्वेदी प्रमुख अतिथी म्हणून उपस्थित राहतील. विशेष अतिथी म्हणून इतिहासकार अखिलेश झा उपस्थित राहणार आहेत. त्यानंतर सकाळी १०.४० वाजता परिसंवादाचे उद्घाटन होईल.

उद्घाटन सत्रानंतर ज्येष्ठ संपादक अनंत विजय तसेच 'ऑर्गनायझर'चे संपादक प्रफुल्ल केतकर यांचे विशेष मार्गदर्शन होईल. पुढील सत्रात साहित्यनिर्मिती आणि बौद्धिक विकास या विषयावर इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्राचे सदस्य सचिव प्रो. सच्चिदानंद जोशी आणि संपादक राकेश मंजुल विचार मांडतील. तिसऱ्या सत्रात 'वंदे मातरम्'ची संवैधानिक वाटचाल या विषयावर महाराज गंगा सिंह विश्वविद्यालया चे कुलगुरू प्रो. मनोज दीक्षित आणि दिल्ली विश्वविद्यालयाच्या प्रो. सीमा सिंह आपले विचार व्यक्त करतील. पहिल्या दिवसाच्या अंतिम सत्रात केंद्रीय हिंदी संस्थानचे उपाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र दुबे, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालयाचे माजी कुलाधिपती प्रो. हरमोहिंदर सिंह बेदी तसेच मौलाना अबुल कलाम आजाद एशियाई अध्ययन संस्थानचे संचालक प्रो. सरूप प्रसाद घोष विचार मांडतील.

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: pro.mgahv@hindivishwa.ac.in **वेबसाइट/Website:** www.hindivishwa.org

दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305

दुसऱ्या दिवशीच्या पहिल्या सत्रात 'प्रतिरोधाचे आवाहन आणि जनआंदोलनाचे प्रतीक' या विषयावर चर्चा होईल. यात वरिष्ठ प्रशासकीय अधिकारी मनोज श्रीवास्तव संबोधित करतील. राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थानचे अध्यक्ष प्रो. अखिलेश मिश्रा तसेच जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालयातील ऐतिहासिक अध्ययन केंद्राचे डॉ. क्रिस्थु डॉस यांचेही मार्गदर्शन लाभेल. दुसरे सत्र 'वंदे मातरम्च्या १५० वर्षांची सांस्कृतिक यात्रा' या विषयावर केंद्रित असून, इतिहासकार अखिलेश झा आणि आयआरएस व इतिहासकार रश्मिता झा विचार मांडतील.

समारोप सत्र कुलगुरू प्रो. कुमुद शर्मा यांच्या अध्यक्षतेखाली होईल. यावेळी भारतीय उच्च अध्ययन संस्थानचे संचालक प्रो. हिमांशु कुमार चतुर्वेदी, महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालयाचे कुलगुरू प्रो. मनोज दीक्षित तसेच ज्येष्ठ पत्रकार अनंत विजय उपस्थित राहतील.
२५ फेब्रुवारीच्या सायंकाळी सांस्कृतिक कार्यक्रमांतर्गत 'वसंत उत्सव' साजरा करण्यात येणार असून, विद्यापीठातील विद्यार्थी व शोधार्थी विविध कलात्मक सादरीकरणे करतील.

नमस्कार !

मा. संपादक/संवाददाता महोदय, कृपया संलग्न समाचार को प्रकाशित कर अनुगृहीत करने का कष्ट करें।

सादर धन्यवाद।